

डॉ. टिबेरियस राटा, एज्रा-नहेमायाह,

सत्र 3, एज्रा 5-6

© 2024 टिबेरियस राटा और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टिबेरियस राटा और एज्रा और नहेमायाह पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 3 है, एज्रा 5-6।

आइए आपकी बाइबिल को एज्रा अध्याय पांच में फिर से खोलें। आपको याद होगा अध्याय चार का अंत मंदिर के पुनर्निर्माण के विरोध के साथ हुआ था और वह सफल रहा था। वे 16 वर्षों तक सफल रहे। तो, पुनर्निर्माण के 16 वर्षों के बाद काम रुक गया और फिर आपके पास परियोजना फिर से शुरू हो गई है।

पुनर्निर्माण को चुनौती मिलने वाली है और हम फिर देखेंगे कि पुनर्निर्माण होगा। तो, अध्याय पाँच के पहले छंद भविष्यवक्ताओं हागै और इद्दो के पुत्र जकर्याह के बारे में बात करते हैं, जो यहूदा और यरूशलेम में रहने वाले यहूदियों से इस्राएल के परमेश्वर के नाम पर भविष्यवाणी करते थे जो उनके ऊपर था। तब शालतीएल का पुत्र जरूब्बाबेल और योसेदक का पुत्र येशू उठकर परमेश्वर के भवन को जो यरूशलेम में है बनाने लगे, और परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता उनके संग थे।

तो फिर, पुनर्निर्माण के 16 वर्षों के बाद काम रुका हुआ है, लेकिन यह प्रभु का वचन है जो प्रक्रिया को तेजी से शुरू करता है। फिर, बेबीलोन की निर्वासन के दौरान भविष्यवाणी का कार्यालय खत्म नहीं हुआ, और भविष्यवक्ता विलुप्त नहीं हुए। याद रखें, भविष्यवक्ता परमेश्वर और लोगों के बीच मध्यस्थ थे, और बाइबल हमें यहाँ हागै और जकर्याह के बारे में बताती है।

हम इन्हें निर्वासन के बाद के पैगम्बर कहते हैं। आपके पास पूर्व-निर्वासन भविष्यवक्ता, निर्वासित भविष्यवक्ता और निर्वासन के बाद के भविष्यवक्ता हैं और हागै और जकर्याह निर्वासन के बाद के भविष्यवक्ता हैं और वे दोनों पुनर्निर्माण की आवश्यकता के बारे में लिखते हैं और हागै मंदिर के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित करता है जबकि जकर्याह भगवान की संप्रभुता पर ध्यान केंद्रित करता है। हागै और जकर्याह दोनों इस्राएल के परमेश्वर के नाम पर बात करते हैं और फिर से जो उनके ऊपर था और फिर से परमेश्वर की संप्रभुता के बारे में बात करते हैं।

ईश्वर नियंत्रण में है और जरूब्बाबेल, जिसे यहूदा के राज्यपालों में से एक के रूप में पहचाना जाता है, एज्रा और नहेमायाह के साथ नेता होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हम देखते हैं कि हागै 1.1 में कुछ लोग मानते हैं कि जरूब्बाबेल का दोबारा उल्लेख नहीं किया गया है क्योंकि या तो उसे पद से हटा दिया गया है या उसकी मृत्यु हो गई है, लेकिन फिर भी हम नहीं जानते कि क्यों। लेकिन हम जानते हैं कि उनके नेतृत्व में मंदिर का निर्माण फिर से शुरू हो गया है, लेकिन फिर भी हर कोई खुश नहीं है।

पुनर्निर्माण को फिर से चुनौती दी गई है, जो पद 3 से शुरू होती है। उसी समय, नदी के उस पार के प्रांत के गवर्नर तत्तनै और शेतर्बोजनै और उनके साथी उनके पास आए और उनसे इस प्रकार बात की: “इस भवन को बनाने और संरचना को पूरा करने का आदेश तुम्हें किसने दिया?” उन्होंने उनसे यह भी पूछा: “इस भवन को बनाने वाले लोगों के नाम क्या हैं?” लेकिन उनके परमेश्वर की नज़र यहूदियों के पुरनियों पर थी, और वे तब तक नहीं रुके जब तक कि यह रिपोर्ट डेरियस तक नहीं पहुँच गई और फिर इसके बारे में एक पत्र द्वारा उत्तर नहीं मिला।

इसलिए तत्तनै नदी के उस पार के गवर्नर के रूप में प्रकट होता है। एक दस्तावेज है, एक बेबीलोनियन दस्तावेज जो 5 जून 502 ईसा पूर्व का है जिसमें तत और मैं का नाम वास्तव में दिखाई देता है।

वह फ़ारसी साम्राज्य का प्रतिनिधि है और फिर से, वह अपने पूर्ववर्तियों की तरह यह सुनिश्चित करना चाहता था कि ये यहूदी राजा के खिलाफ़ विद्रोह न करें, लेकिन पिछले समय के विपरीत काम बंद नहीं हुआ। विरोध के बावजूद भी यहूदी काम करना जारी रखते हैं, और फिर से, यहाँ अभिव्यक्ति सुंदर है। उनके ईश्वर की नज़र यहूदियों के बुजुर्गों पर थी।

फिर से, यह एक अलंकार है जब कोई चीज़ ईश्वर की नज़र में होती है, जिसका मतलब है कि ईश्वर उस पर नज़र रखता है। ईश्वर नियंत्रण में है। ईश्वर लोगों को सफलता देता है।

भगवान लोगों को सुरक्षा और प्रावधान देते हैं। इसलिए, यहूदी विरोध के बावजूद भी नहीं रुकते। इसलिए, फिर से पुनर्निर्माण का काम राजा तक जाता है।

फिर से, राजा को पत्र भेजा जा रहा है, इस मामले में डेरियस। “यह उस पत्र की प्रति है जिसे नदी के उस पार के प्रांत के गवर्नर तत्तनै और नदी के उस पार के गवर्नर शैथरबोज़ेनै और उसके साथियों ने दारा राजा को भेजा था, सर्व शांति। राजा को ज्ञात हो कि हम यहूदा के प्रान्त में, महान परमेश्वर के भवन में गए थे।

इसे बड़े-बड़े पथरों से बनाया जा रहा है और दीवारों में लकड़ी लगाई गई है। यह काम लगन से आगे बढ़ता है और उन्नति भी करता है। तब हम ने उन पुरनियों से और उन से पूछा, और उन से यों कहा, कि यह भवन बनाने, और उसका काम पूरा करने की आज्ञा तुम्हें किस ने दी? हमने आपकी जानकारी के लिए उनके नाम भी पूछे ताकि हम उनके नेताओं के नाम लिख सकें।

तो, तत्तनै और अन्य अधिकारी वही थे जिन्हें कुछ विद्वान दंड देने की शक्तियों से लैस शाही संकटमोचक कहते हैं। याद रखें, जब भी आप बियाँन्ड द रिवर पढ़ते हैं, तो यह फ़रात नदी के पार के बारे में बात करता है, और फ़ारसियों द्वारा इसे इज़राइल की भूमि के रूप में संदर्भित किया जाता है। और यह पत्र न केवल इस बारे में बात करता है कि वे राजा से क्या कहते हैं, बल्कि इस्राएलियों ने श्लोक 11 और 12 में क्या उत्तर दिया।

ये था हमारे लिए जवाब। हम स्वर्ग और पृथ्वी के परमेश्वर के सेवक हैं, और हम एक ऐसे घर का पुनर्निर्माण कर रहे हैं जो कई साल पहले बनाया गया था, जिसे इस्राएल के एक महान राजा ने बनाया और पूरा किया। परन्तु हमारे पुरखाओं ने स्वर्ग के परमेश्वर को क्रोधित किया था, इस कारण उस ने उनको कसदी बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर के हाथ में कर दिया, और उस ने इस भवन को नाश कर दिया, और लोगों को बाबुल को ले गया।

इसलिए, यहूदियों के नेताओं को मूल रूप से डेरियस को इतिहास का एक संक्षिप्त पाठ देने की ज़रूरत है कि वे इस संकट में क्यों हैं। लेकिन साथ ही, वह उन्हें आयत 13 से शुरू होने वाले कुसू के राजा के आदेश की भी याद दिलाता है। हालाँकि, बेबीलोन के राजा कुसू के पहले वर्ष में, राजा कुसू ने एक आदेश दिया कि परमेश्वर के इस भवन का पुनर्निर्माण किया जाना चाहिए। और परमेश्वर के भवन के सोने और चान्दी के जो पात्र नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम के मन्दिर में से निकालकर बाबुल के मन्दिर में रख दिए थे, उनको कुसू राजा ने बाबुल के मन्दिर में से निकालकर एक को सौंप दिया। शेशबस्सर नाम को उस ने हाकिम ठहराया, और उस से कहा, इन पात्रों को ले जा, और यरूशलेम के मन्दिर में रख, और परमेश्वर का भवन फिर बनाया जाए। तो आपको फिर से सन्दर्भ को याद करना होगा।

539 साल हो गए जब साइरस ने राजा को आदेश दिया था, लेकिन अब फिर से एक नया राजा डेरियस है। यह लगभग 520 ईसा पूर्व की बात है। यह बाद की बात है और अब साइरस सत्ता में नहीं हैं।

अब आपके पास डेरियस है। तो, डेरियस को इतिहास का यह सारा पाठ याद आ गया। और फिर, पत्र समाप्त होता है, "इसलिये यदि राजा को यह ठीक लगे तो बेबीलोन के राज-भंडार में खोज की जाए, कि क्या कुसू राजा ने यरूशलेम में परमेश्वर के इस भवन के पुनर्निर्माण के लिये कोई आज्ञा दी थी, और इस मामले में राजा हमें अपनी इच्छानुसार संदेश भेजें।"

यह देखना बहुत दिलचस्प है कि कैसे इतिहास का ज्ञान पिछले राजा को नहीं, बल्कि राजाओं को होता है। इसलिए, उन्हें यह याद दिलाना होगा कि ठीक 20 साल पहले क्या हुआ था। तो, 536 में पुनर्निर्माण के मूल प्रयास और 520 में डेरियस पर काम फिर से शुरू होने के बीच 16 साल की अवधि बीत चुकी है।

आपको वह समय-सीमा याद है। लेकिन चूंकि शासन में बदलाव हुआ था, इसलिए डेरियस को ऐतिहासिक दस्तावेजों की जांच करने के लिए कहा गया, और फिर से, हम परमेश्वर को काम करते हुए देखते हैं। अध्याय 6 में, परमेश्वर फिर से राजा के दिल को प्रभावित करता है।

जैसे परमेश्वर ने कुसू के हृदय को प्रभावित किया, वैसे ही अब परमेश्वर दारा के हृदय में भी कार्य करता है। और हम देखेंगे कि परमेश्वर का घर पूरा हो जाएगा, और उसे समर्पित किया जाएगा, और लोग जश्न मनाएंगे। तो सबसे पहले, हम देखते हैं कि परमेश्वर राजा दारा के हृदय में कार्य कर रहा है।

अध्याय 6 की शुरुआत इस प्रकार होती है "दारा राजा ने एक आदेश जारी किया, और बेबीलोनिया में अभिलेखों के घर में खोज की गई," और फिर से उसे वह अभिलेख मिला जिसमें राजा साइरस द्वारा आदेश जारी करने की बात कही गई थी। इसलिए, श्लोक 7 में वह कहता है, वह टाइटैनिया को एक पत्र वापस भेजता है और कहता है कि परमेश्वर के इस भवन के काम को अकेला छोड़ दो। यहूदियों के राज्यपाल और यहूदियों के पुरनियों को परमेश्वर के भवन को उसके स्थान पर फिर से बनाना चाहिए।

इसके अलावा, मैं यह भी आदेश देता हूँ कि तुम यहूदियों के इन पुरनियों के लिए क्या करोगे ताकि परमेश्वर के इस भवन का पुनर्निर्माण कर सको। तुम न केवल उन्हें पुनर्निर्माण करने दोगे, बल्कि इन लोगों को पूरा खर्च भी देना होगा और बिना देरी के शाही राजस्व से, नदी के उस पार के भविष्यद्वक्ताओं की श्रद्धांजलि और जो कुछ भी आवश्यक हो, वह देना होगा। स्वर्ग के परमेश्वर को होमबलि के लिए बैल, मेढ़े या भेड़, गेहूँ, नमक, दाखमधु या तेल जैसा कि यरूशलेम के पुजारी माँगते हैं।

उन्हें प्रतिदिन बिना चूके यह दिया जाए कि वे स्वर्ग के परमेश्वर को मनभावन बलिदान चढ़ाएँ और राजा और उसके पुत्रों के जीवन के लिए प्रार्थना करें। क्या यह सुंदर नहीं है? यही वह है जो दुश्मन परमेश्वर के लोगों के विरुद्ध इस्तेमाल करना चाहता था। अब परमेश्वर राजा के हृदय में कार्य करता है और न केवल कार्य को जारी रखने की अनुमति देता है, बल्कि वह राजकोष से खजाने के लिए धन देता है।

इसके अलावा श्लोक 11 में, मैं एक आदेश देता हूँ कि यदि कोई इस आदेश को बदलेगा तो उसके घर से एक बीम उखाड़कर उस पर गिरा दिया जाएगा और उसके घर को कूड़े के ढेर में बदल दिया जाएगा। जिस परमेश्वर ने अपने नाम को वहाँ स्थापित किया है, वह किसी भी राजा या लोगों को उखाड़ फेंके जो इसे बदलने या यरूशलेम में परमेश्वर के इस भवन को नष्ट करने के लिए हाथ बढ़ाए। मैं तुम्हें एक आदेश देने की हिम्मत देता हूँ कि इसे पूरी तत्परता के साथ किया जाए।

यह परमेश्वर का सुंदर कार्य है जो अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक विदेशी राजा, एक बुतपरस्त राजा का उपयोग करता है, न केवल पुनर्निर्माण के लिए बल्कि इसके पुनर्निर्माण के लिए भुगतान करने के लिए। फिर से, यह कुछ ऐसा अनोखा नहीं था जो फारसी राजा केवल यहूदियों के लिए कर रहे थे। वे अन्य राष्ट्रों के साथ ऐसा कर रहे थे क्योंकि वे बहुत, बहुत सहिष्णु थे और इस वजह से यह कार्य पूरा हुआ।

587 माइनस 70, 517 को याद रखें। अंततः पुनर्स्थापना पूरी हो गई है। वापसी पूरी हो गई है क्योंकि परमेश्वर का घर पूरा हो गया है।

पद 13 से शुरू करते हुए। “तब राजा दारा के भेजे हुए वचन के अनुसार महानद के उस पार के प्रदेश के राज्यपाल तत्तनै ने शतर्बोजनै और उनके साथियों ने राजा दारा की आज्ञा के अनुसार पूरी तत्परता से काम किया। और यहूदियों के पुरनियों ने हाग्वै नबी और इदो के पुत्र जकर्याह की भविष्यवाणी के अनुसार निर्माण किया और सफल हुए।”

उन्होंने इस्राएल के परमेश्वर की आज्ञा से, और फारस के राजा कुसू, दारा और अर्तक्षत्र की आज्ञा से अपना भवन तैयार किया। और यह भवन राजा दारा के राज्य के छठे वर्ष के अदार महीने के तीसरे दिन बनकर तैयार हुआ।

फिर से, जब आप कैलेंडर को देखते हैं, तो यह 517, 516 ईसा पूर्व के आसपास फरवरी या मार्च के आसपास होता है। और परमेश्वर की संप्रभुता और प्रावधान स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। जब परमेश्वर अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक बुतपरस्त राजा, एक बुतपरस्त प्रशासन का उपयोग करता है।

यहाँ अर्तक्षत्र का उल्लेख किया गया है। वह बहुत बाद में 465, 424 ई.पू. में फिर से प्रकट होगा। लेकिन कुसू, दारा, अर्तक्षत्र, इन दोनों का उपयोग परमेश्वर ने अपने उद्देश्यों को पूरा करने, पुनर्निर्माण, वापसी, वेदी के पुनर्निर्माण, मंदिर के पुनर्निर्माण को पूरा करने के लिए किया है।

घर का पुनर्निर्माण कर रहे हैं, इसलिए उन्हें इसे समर्पित करना होगा। और यही बात हमें श्लोक 16 से 18 में मिलती है। और इस्राएल के लोग याजक और लेवीय, और बाकी निर्वासित लौटे लोगों ने खुशी के साथ परमेश्वर के इस घर के समर्पण का जश्न मनाया।”

फिर से, खुशी का भाव। “उन्होंने परमेश्वर के इस घर के समर्पण पर भेंट चढ़ाई।” सोचिए यह पार्टी कितनी बड़ी थी।

“100 बैल, 200 मेढ़े, 400 भेड़ें, और सारे इस्राएल के लिए पापबलि के रूप में 12 बकरे, इस्राएल के गोत्रों की संख्या के अनुसार। और उन्होंने याजकों को उनके दलों में और लेवियों को उनके दलों में यरूशलेम में परमेश्वर की सेवा के लिए नियुक्त किया, जैसा कि मूसा की पुस्तक में लिखा है।

वाह। आपको याद होगा, पुराने नियम में भी कुछ ऐसा ही है, लेकिन बहुत छोटे पैमाने पर, लेकिन यह सोलोमन के मंदिर का समर्पण है। आपने बहुत सारे बलिदान दिए हैं।

लेकिन अब, बहुत छोटे पैमाने पर, जिसे हम अब दूसरा मंदिर काल कहते हैं, उसका समर्पण। और फिर, आप देखते हैं कि यह सब परमेश्वर की सेवा के लिए किया जाता है, और यह खुशी के साथ किया जाता है। तो, आप क्या करते हैं? जब आप भूमि पर वापस आते हैं, तो आप वेदी का पुनर्निर्माण करते हैं, और आप मंदिर बनाते हैं, आप पर्व मनाना शुरू करते हैं।

ऐसा कुछ जो वे निर्वासन काल में हमेशा नहीं मानते थे। इसलिए अब वे फसह का पर्व भी मनाते हैं। और फिर से, आप फिर से निर्गमन की पुस्तक के समानांतर देखते हैं।

क्योंकि निर्गमन की पुस्तक के अध्याय 12 में बताया गया है कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को फसह मनाने की आज्ञा दी थी, लेकिन अब आयत 19 से शुरू होकर, पहले महीने के 14वें दिन से वापस लौटे बंधुओं ने फसह मनाया। क्योंकि याजकों और लेवियों ने एक साथ खुद को शुद्ध किया था।

वे सभी शुद्ध थे। “इसलिए, उन्होंने अपने साथी याजकों और अपने लिए सभी लौटे हुए निर्वासितों के लिए फसह का मेमना बलि किया। इसे इस्राएल के लोगों ने खाया जो निर्वासन से लौटे थे, और उन सभी ने भी जो उनके साथ शामिल हो गए थे और इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की आराधना करने के लिए देश के लोगों की अशुद्धता से खुद को अलग कर लिया था। और उन्होंने सात दिनों तक अखमीरी रोटी का पर्व आनन्द के साथ मनाया, क्योंकि यहोवा ने उन्हें आनन्दित किया था और अश्शूर के राजा का मन उनकी ओर फिराया था, ताकि वह परमेश्वर, इस्राएल के परमेश्वर के भवन के काम में उनकी सहायता करे।” यह बहुत ही उचित था कि वह फसह मना रहा था क्योंकि उसे निर्गमन की पुस्तक के समानांतर याद था।

फसह मिस्र की गुलामी से मुक्ति का उत्सव था। और अब वे फिर से इस बात का जश्न मना रहे हैं कि वे वादा किए गए देश में वापस आ गए हैं। राजशाही काल के दौरान फसह को कई बार नज़रअंदाज़ किया गया।

निर्वासन के दौरान, जाहिर है, हम निश्चित रूप से नहीं जानते कि उन्होंने इसे कितनी बार देखा होगा। लेकिन अब हम जानते हैं कि वे इसे फिर से मना रहे हैं। जैसे परमेश्वर कुसू के घर में चला गया, वैसे ही परमेश्वर दारा के घर में चला गया।

अब, लोग फसह का जश्न मनाते हैं, और उन्हें उनके साथ रहने के लिए भगवान की वफादारी की याद आती है। वे उस सब से आनन्दित हैं जो परमेश्वर कर रहा है।

यह डॉ. टिबेरियस राटा और एज्रा और नहेमायाह पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 3 है, एज्रा 5-6।